I have written to the State Governments to bring these suggestions to the notice of all elected legislators so that they immediately involve themselves with the setting up of these committees. I have also asked them to direct the District Collectors to help in the formation of such committees.

Checking prices and policing those who try to take advantage of shortages to fleece the people is a non-partisan task. I would urge all Members of Parliament to help the government in this effort.

12.55 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377—*contd.*

(iii) FAMINE CONDITIONS IN NORTH BIHAR DUE TO FAILURE OF RAINS

MR. SPEAKER : I have overlooked one notice under Rule 377. Mr. (Hukmde) Narain Yadav may please speak.

श्री हुकम देव नारायण यादव (मधुबनी) : अध्यक्ष महोदय, मैं कई दिनों से इस प्रश्न को उठाने का प्रयास कर रहा था। यह बड़ी आश्चर्यजनक बात है कि जब दक्षिण बिहार में बाढ़ आती है तो उत्तर बिहार में सूखा पड़ता है और जब उत्तर बिहार में बाढ़ आती है तो दक्षिण बिहार में सूखा पड़ता है। इस समय दक्षिण बिहार में पानी बरस रहा है, लेकिन उत्तर बिहार में जो हमारे नेपाल का सीमावर्ती क्षेत्र है, दरभंगा, मधुबनी में अकाल पड़ रहा है। मेरे पास लगातार वहां से टेलीग्राम आ रहे हैं, चिट्ठियां आ रही हैं, टेलीफोन पर भी लोगों ने सूचना दी है—पानी न बरसने के कारण धान की खेती आबाद नहीं हो रही है। एक भी स्टेट ट्यूब-वैल चालू नहीं है। एमर्जेन्सी के दौरान जितनी नालियां बननी थीं, उन का सीमेंट ठेकेदार चुराकर ले गये। कमला एग्रीकट योजना के अन्तर्गत जो नहरें बनीं उन में पानी नहीं है, क्योंकि नदी में ही पानी नहीं हैं। तमाम कृषक, खेतिहर मजदूर बेकार हो जाने के कारण गांव छोड़ कर भाग रहे हैं। सरकारी गोदामों में गल्ला नहीं हैं। जो मजदूर खरीद कर खायेंगे—उन के पास इतनी क्रय-शक्ति नहीं है कि वे खरीद कर खा सकें। भयंकर भुखमरी की स्थिति पैदा हो गई है, उन के घर का अन्न समाप्त हो रहा है। इस लिये मेरा निवेदन है कि केन्द्र सरकार जल्द से जल्द एक टीम वहां भेजे, जो उस इलाके में जा कर जांच करे, क्योंकि बिहार सरकार के पास इतनी कुव्वत नहीं है कि वह इस स्थिति का मुकाबला कर सके।

मैं एक बात साफ़ तौर से कहना चाहता हूं—हर पांच साल बाद हिन्दुस्तान पर अकाल की छाया पड़ती रही है। आप 1947 से लेकर आज तक देख लीजिए,—1947, 1952, 1957, 1962, 1967, 1972, और अब यह 1977 निश्चित रूप से हिन्दुस्तान में अकाल का वर्ष है जिसका प्रारम्भ मधुबनी और दरभंगा से हो चुका है। इस आने वाले अकाल को रोकने के लिए सरकार को अभी से सक्षम होना चाहिए। आज दरभंगा, मधुबनी अकाल की लपेट में आ गए हैं, वहां पर लोग भूख से मरने जा रहे हैं। यदि जल्दी कार्यवाही नहीं होगी तो हज़ारों लोगों की जानें वहां जाने वाली है। इस लिए मैं सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूं कि सरकार जल्दी से उन की ज़िन्दगी की हिफ़ाज़त के लिए कार्यवाही करे, जिस से वहां की खेती आबाद हो सके और उन लोगों को राहत मिल सके।

12.58 hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

FOURTH REPORT

The Minister of Parliamentary Affairs and Labour (Shri Ravindra Varma) : Sir, I beg to move :

> "That this House do agree with the Fourth Report of the Business Advisory Committee Presented to the House on the 27th July, 1977."

SHRI JYOTIRMOY BOSU : (Diamond Harbour) Sir, you will kindly recollect that in the Business Advisory Committee we agreed finally to list two other discussions, about the housing problem in Delhi which was raised by Mr. Kanwarlal Gupta and about Sundarbans.